Gurukul International Multidisciplinary Research Journal (GIMRJ)*with* International Impact Factor 8.357
Peer Reviewed Journal
https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2601I01VXIVP0008

e-ISSN No. 2394-8426
Monthly Issue
JAN-2026
Issue–I, Volume–XIV

शिक्षक के शिक्षण कौशल एवं अधिगम प्रक्रिया पर TLM के प्रभाव का अध्ययन

डॉ. पूजा दुबे
(सहायक प्राध्यापक)
संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय, अम्बिकापुर, सरगुजा, (छ.ग.)
ईमेल आईडी–poojadubey22289@gmail.com
मो नं. – 7879999431
पता :– राजमोहिनी वार्ड–12, नमनाकला,

सारांश :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शिक्षण के शिक्षण कौशल एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया पर टी.एल.एम के प्रभाव को देखा गया है जिसके अंतर्गत टी.एल.एम. एक ऐसा साधन है जिसके प्रयोग से शिक्षक अपने शिक्षण को प्रभावशाली बनाता है तथा अपना सौंदर्यीकरण करता है शिक्षक वह प्रकाश पुंज हैं जो अंधेरी खाई को प्रकाशवान कर देता है इसके लिए शिक्षक में विशेष गुणों की आवश्यकता होती हैं ।शिक्षक को कक्षा कक्ष में विभिन्न परिस्थितियों का सामना करना हैं। जिसके लिए शिक्षक शिक्षण विधि, शिक्षण कौशल, शिक्षण सूत्र, शिक्षक सिद्धांत आदि की सहायता से अपने संवर्धन का कार्य करता हैं। प्रस्तुत अध्ययन में अंबिकापुर शहर के कुल 30 प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों को न्यायदर्श के रूप में रखकर अध्ययन किया गया। टी.एल.एम के प्रयोग से शिक्षक को सृजनात्मकता का गुण विकसित होता है जिससे शिक्षक होस अपशिष्ट प्रबंधन की मदद से यह बता सकता है कि व्यर्थ कुछ भी नहीं है समस्त सामग्री या वस्तु को सृजनात्मक गुणों के द्वारा पुनः प्रयोग में लाया जा सकता है।

शब्द कुंजी :– टी.एल.एम., न्यायदर्श, सृजनात्मकता, कौशल।

प्रस्तावना :–

मानव जन्म से मृत्यु तक निरंतर कुछ ना कुछ सीखता हैं। औपचारिक रूप से जब हम सीखते हैं वह कक्षा कक्ष शिक्षा की श्रेणी में आता हैं शिक्षा एक बहुआयामी प्रक्रिया है जो ज्ञान, कौशल और मूल्यों से परिपूर्ण करती हैं। शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक का स्थान महत्वपूर्ण हैं। शिक्षक प्रभावपूर्ण तरीके से कक्षा कक्ष में शिक्षण करें। इस हेतु शिक्षण कौशल का विकास होना अति आवश्यक हैं। कक्षा कक्ष में शिक्षण को आकर्षक बनाने के लिए शिक्षक शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग द्वारा छात्रों को विषय वस्तु का अवधारणाओं को समझाने, आकर्षक रीति से सीखने और सीखने में सहायता प्रदान करता हैं। टी.एल.एम कक्षा को जागृत बनाकर रखने में सहायक हैं।सक्रिय रहकर सीखने से प्राप्त ज्ञान स्थायी होता है विद्यार्थी लंबे समय तक जान समाहित कर सकता हैं । ज्ञान ही मानव को सार्थक जीवन जीने योग्य बनाता हैं।

शिक्षण कौशल

शिक्षक का वह गुण जिसके माध्यम से शिक्षक कक्षा–कक्ष में आकर्षक तकनीकी का उपयोग छात्रों को अधिगम में सहायता प्रदान करें ,शिक्षण कौशल है जैसे– विषय वस्तु का ज्ञान ,संचार कौशल ,कक्षा प्रबंधन ,पाठ योजना निर्माण, समस्या समाधान और मूल्यांकन। प्रभावी शिक्षण हेतु इन कौशलों को विकसित करना एवं प्रतिदिन सकारात्मक सुधार करना आवश्यक है शिक्षण कौशल को बेहतर बनाने के लिए शिक्षक को हमेशा प्रयास करते रहना चाहिये।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

शिक्षण और सीखना एक संयुक्त प्रक्रिया है जिसे शिक्षण अधिगम प्रक्रिया कहते हैं। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान शिक्षक कक्षा–कक्ष में अपने कौशलों का प्रयोग कर विषय वस्तु से संबंधित जानकारी प्रेषित करता हैं।शिक्षक TLM का प्रयोग कर छात्र को सरलता से अधिगम करने का प्रयास करता हैं। कक्षा में TLM का प्रयोग कर अध्ययन कार्य करने में छात्र अधिक रुचि लेकर अध्ययन करते हैं विषय वस्तु को गहनता से

Gurukul International Multidisciplinary Research Journal (GIMRJ)*with* International Impact Factor 8.357
Peer Reviewed Journal
https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2601I01VXIVP0008

e-ISSN No. 2394-8426
Monthly Issue
JAN-2026
Issue–I, Volume–XIV

समझने का प्रयास करते हैं तथा TLM से प्रस्तुत की गई बातों को लंबे समय तक मन मस्तिष्क में धारण करते हैं।

अध्ययन की आवश्यकता

किसी भी देश के विकास में वहां के नागरिकों के आम भूमिका होती है । कुशल नागरिक बनने हेतु उचित शिक्षा आवश्यक हैं शिक्षा औपचारिक रूप से शिक्षकों से प्राप्त होती है प्रस्तुत अध्ययन या प्रदर्शित करता है कि शिक्षक अपने शिक्षण कौशल एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में ज्स्ड के माध्यम से कक्षा कक्ष में एक सकारात्मक वातावरण निर्मित करता हैं।

शोध अध्ययन के उद्देश्य :–

1. कक्षा कक्ष में अवधारणाओं एवं चुनाव को टी.एल.एम द्वारा स्पष्ट करने से संबंधित प्रभाव का अध्ययन करना।
2. सक्रिय अधिगम को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान उत्साहित करने से संबंधित टी.एल.एम के प्रभाव का अध्ययन करना।

'शोध अध्ययन में प्रयुक्त परिकल्पनाएं :–

1. कक्षा–कक्षा में अवधारणाओं एवं सूचनाओं को ज्स्ड द्वारा स्पष्ट करने से सकारात्मक प्रभाव पड़ता हैं।
2. सक्रिय अधिगम हेतु शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान ज्स्ड के प्रयोग का सकारात्मक प्रभाव पड़ता हैं।

'जनसंख्या प्रस्तुत अध्ययन में अंबिकापुर शहर के 30 प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों की जनसंख्या होगी।

'शोध में चयनित न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता द्वारा अंबिकापुर शहर के 30 प्राइवेट स्कूलों का चयन किया गया ।30 प्राइवेट स्कूल के कुल 60 शिक्षकों का न्यादर्श के रूप में चयन किया गया। न्यादर्श चयन की यादृच्छिक न्यादर्श विधि हैं।

13. शोध उपकरण–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्व निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया हैं।

14. शोध अध्ययन विधि–

सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

15. शोध अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मध्यमान , प्रतिशत का प्रयोग किया गया।

प्रश्न :–

शिक्षक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान अपने लक्ष्य को पूर्ण करने में टी.एल.एम का प्रयोग करता हैं?

उत्तर :– 79.43%

प्रश्न– शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान टी.एल.एम का प्रयोग करने से शिक्षक के कौशलों में वृद्धि होती है?

उत्तर :– 86.00%

प्रश्न– क्या टी.एल.एम की सहायता से शिक्षक कक्षा कक्ष वातावरण निर्माण हेतु सुरक्षित, सहायक और आकर्षक वातावरण प्रदान करने में सक्षम है?

उत्तर :– 94.62%

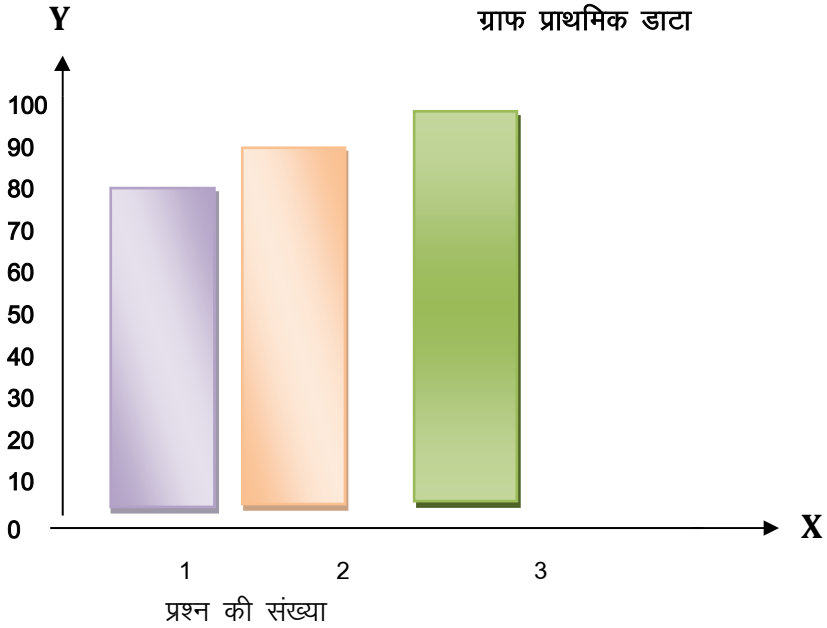

निष्कर्ष

शिक्षक के शिक्षण कौशल एवं अधिगम प्रक्रिया पर टी.एल.एम का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलता है। टी.एल.एम का प्रयोग करने से कक्षा कक्ष में छात्र एवं शिक्षक दोनों सक्रिय अवस्था में कार्य करते हैं।

अध्ययन के दौरान यह देखा गया कि टी.एल.एम का प्रयोग शिक्षक की गुणवत्ता में वृद्धि करता हैं। टी.एल. एम का उपयोग दृष्टांत कौशल का प्रयोग कर अपने शिक्षण का सृजनीकरण कर सकते हैं।

संदर्भित ग्रंथ :–

1- अरोरा डॉक्टर संतोष, गंगवार धर्मवीर षशिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के प्रति प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की प्रति ग्राम का अध्ययन" Impact factor:5-7631UGC Approved journal No-48514] Volume SSUE October &2018 ISSN:2249&894X

2. सिंह ,रामपाल एवं शर्मा ओ.पी.(2012–13) शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन ,ज्योति ब्लॉक, संजय प्लेस ,आगरा–2

3. अग्रवाल डॉक्टर अंजना, षविभिन्न इंटरनेट सुविधाओं का विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं शारीरिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन "Impact factor SJIF (2025):7-842] RNI:CHHBIL/2021/80395]ISSN:2583&0775(P)]2583&3189(E)Year&04]volume&04] Issue&04-